Jayoti Muhim

बेटी बचाओ बेटी पढाओ

Title Code : RAJBIL01655 Issue 13, Volume 4. September, 2018

बेटी बचाओ बेटी पढाओ

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस के अन्तर्गत वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे आयोजित।

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में विशेष कार्यक्रम के तहत 25.9.2018 को वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे मनाया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीया जे.वी.एन.विदुषी गर्ग जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर आयोजन का उद्घाटन किया। प्रोफेसर डॉ. धर्मेंद्र आहूजा ने चेयरपर्सन माननीया माननीया जे.वी.एन. विदुषी गर्ग जी को फूलों का गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। विश्वविद्यालय की छात्राओं ने कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्र गीत तथा गणेश अर्चना के साथ की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में प्रोफेसर डॉ.एच.आर.जाधव उपस्थित रहे। मुख्यअतिथि ने अपने उद्बोधन से फार्मासिस्ट में रोजगार की नई संभावनाओं से छात्राओं को अवगत कराया।

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में आपदा रक्षक प्रशिक्षण मुहीम की शुरुआत......

22सितम्बर,2018. ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में छात्राओं को आपदा रक्षक प्रशिक्षण दिया गया। जिसके तहत विश्वविद्यालय की विभिन्न संकायों में अध्ययनरत छात्राओं में से चुनी गयी लगभग 50 छात्राओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। जिन्हें प्रशिक्षण उपरांत ''विश्वविद्यालय आपदा रक्षक'' के तौर पर कार्य करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। इस मौके पर विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीया माननीया जे.वी.एन. विदुषी गर्ग जी ने फीता काटकर प्रशिक्षण का उद्घघाटन किया एवं सभी छात्राओं को शुभकामनाओं सहित प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। प्रशिक्षण के तहत छात्राओं को अग्नि नियंत्रण से सम्बंधित जानकारी व प्रशिक्षण दिया गया तथा छात्राओं को आग लगने के कारणों और अग्नि दुर्घटनाओं से निपटने के उपायों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी। छात्राओं को आग बुझाने वाले यंत्रों के प्रकार एवं उन्हें उपयोग में लेने का प्रशिक्षण के साथ साथ आग बुझाने के लिए अग्निशमन उपकरणों को उपयोग करना भी सिखाया। सभी छात्राओं ने रुचिपूर्वक आपदा रक्षक प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। **–जे.वी.एन.** विभा

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अन्तर्गत इंजीनियर्स डे आयोजित।

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में इंजीनियर्स डे के मौके पर प्रोफेसर डॉ.शोभा लाल ने इंजीनियर्स डे मे आये सभी अथितियों का स्वागत किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीया जे.वी.एन. विदुषी गर्ग जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर आयोजन का उद्घाटन किया। प्रोफेसर डॉ.शोभा लाल ने चेयरपर्सन माननीया जे.वी.एन. विदुषी गर्ग जी को फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया।विश्वविद्यालय की छात्राओं ने कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्र गीत तथा गणेश अर्चना के साथ की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में एक्स जनरल मैनेजर, मेट्रो ट्रेंन, फरीदाबाद,सुमन कुमार उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में बताया की किसी भी देश के विकास में इंजीनियर का होना आवश्यक है। उन्होंने औद्योगिक क्रांति के बारे में विस्तार जानकारी प्रदान की, सॉफ्टवेयर, सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, आर्किटेक्चर, आदि इंजीनियरिंग के क्षेत्रों के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। **–जे.वी.एन. प्रीति**

गुरु

दीपक सा जलता है गुरु
फैलाने ज्ञान का प्रकाश
न भूख उसे किसी दौलत की
न कोई लालच न आस
उसे चाहिए, हमारी उपलब्धि यां उंचाईयां,
जहां हम जब खड़े होकर
उनकी तरफ देखें पलटकर
तो गौरव से उठ जाए सर उनका
हो जाए सीना चौड़ा
हर वक्त साथ चलता है गुरु
करता हममें गुणों की तलाश
फिर तराशता है शिद्दत से
और बना देता है सबसे खास
उसे नहीं चाहिए कोई वाहवाही
बस रोकता है वह गुणों की तबाही
और सहेजता है हममें
एक नेक और काबिल इंसान

—जे.वी.एन. प्रिया

मुस्कुरा ले

एक दिन तो मुस्कुरा ले
कब तक याद रखेगा।
इस गम को, कभी तो भुला ले
एक दिन तो मुस्कुरा ले।
देखी है ,कभी तूने दुनिया
कितनी खुबसूरत है।
कभी तो अपने आखों को जगा ले
एक दिन तो मुस्कुरा ले।
भटकता रहता है प्यार की चाह में
तेरे अंदर ही प्यार बसा है।
कभी तो खुद को आजमा ले
एक दिन तो मुस्कुरा ले।
इस कठोर चट्टानों में कब तक फिरता रहेंगा
कभी तो प्यार भरे समंदर में गोते लगा ले।
एक दिन तो मुस्कुरा ले।
कब तक होठों पे सिसकियों की बौछार लगायेगा
कभी तो इन पर सादगी ही बहार लगा ले.....

-जे.वी.एन. मेघा

गुरुर्ब्रह्मा ग्रुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः॥

अर्थात गुरु ब्रह्मा है, गुरु विष्णु है, गुरु शिव है, गुरु परब्रह्मा (सृष्टि के रचयिता है और सभी देवों में श्रेष्ठ है गुरु उनके समान है।

सर्वप्रथम गुरुपर्व के इस अवसर पर सभी गुरुओ को मेरा सादर नमन!

शिक्षक दिवस ५ सितम्बर को आस्थावान विचारक डॉ. राधा कृष्णन के जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मानते है। शिक्षक मानव जीवन का आधार होते हैं जिनकी छत्रछाया में एक विश्वास के साथ विद्यार्थी अपनी संघर्ष की सीढ़ी पर चढ़ने की हिम्मत रखते है, तथा उसे पार भी करते है। जब बच्चा पहली बार विद्यालय में कदम रखता है, तो उसके माता–पिता के मन में डर नहीं होता क्योकि उन्हें विश्वास है की उनके बच्चे सुरक्षित हाथों में है और वहां से कुछ नयी सीख लेकर आएंगे। अधिकांश लोग मानते है कि विद्यालय व महाविद्यालय में पढ़ाने वाले गुरु होते है लेकिन गुरु और शिष्य का सम्बन्ध विद्यालय तक ही सिमित नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति जिनसे हम और आप कुछ सीखते है,वो भी हमारे लिए गुरु कि श्रेणी में ही आते है चाहे वे हमसे छोटे ही क्यों ना हो। शिक्षक जो गलत होने पर अगर डांटते है हो सही होने पर अपने शिष्य कि पीठ थपथपा कर आशीर्वाद भी देते है। हम सब के पहले गुरु हमारे माता– पिता है,जिनके आचरण में हम बड़े हुए और अच्छे इंसान बने। जिंदगी में कुछ लोगो को कभी नहीं भूलना चाहिए, हमारे माता– पिता और गुरु, क्योकि हमारे लक्ष्य तक पहुंचने में इनका बहुत बड़ा योगदान रहता है और हर परिस्तिथि में आपके साथ खड़े है

रहते अंत में कुछ पंक्तिया हमारे आदरणीय गुरुओ को समर्पित करती हूँ–

ज्ञान आपका, सीख हमारी।
संस्कार आपके, धरोहर हमारी।
प्रेरणा आप हमारे,सदा के लिए हम आपके आभारी।

—जे.वी.एन. मुस्कान अग्रवाल

समाज के वास्तविक शिल्पकार होते हैं शिक्षक

एक अच्छा शिल्पकार किसी भी प्रकार के पत्थर को तराश कर उसे सुन्दर आकृति का रूप दे देता है। किसी भी सुन्दर मूर्ति को तराशने में शिल्पकार की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसी प्रकार एक अच्छा कुम्हार वही होता है जो गीली मिट्टी को सही आकार प्रदान कर उसे समाज के लिए उपयोगी बर्तन अथवा एक सुन्दर मूर्ति का रूप दे देता है। यदि शिल्पकार तथा कुम्हार द्वारा तैयार की गयी मूर्ति एवं बर्तन सुन्दर नहीं है तो वह जिस स्थान पर रखे जायेंगे उस स्थान को और अधिक विकृत स्वरूप ही प्रदान करेंगे। शिल्पकार एवं कुम्हार की भाँति ही स्कूलों एवं उसके शिक्षकों का यह प्रथम दायित्व एवं कर्त्तव्य है कि वह अपने यहाँ अध्ययनरत् सभी बच्चों को इस प्रकार से संवारे और सजाये कि उनके द्वारा शिक्षित किये गये सभी बच्चे 'विश्व का प्रकाश' बनकर सारे विश्व को अपनी रोशनी से प्रकाशित कर सकें। इस प्रकार शिक्षक उस शिल्पकार या कुम्हार की भाँति होता है जो प्रत्येक बालक को समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप, प्रत्येक बच्चे को सभी विषयों की सर्वोत्तम शिक्षा देकर उन्हें एक अच्छा डॉक्टर, इंजीनियर, न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारी बनाने के साथ ही उसे एक अच्छा इंसान भी बनाना है। क्योंकि सामाजिक ज्ञान के अभाव में जहाँ एक ओर बच्चा समाज को सही दिशा देने में असमर्थ रहता है तो वहीं दूसरी ओर आध्यात्मिक ज्ञान के अभाव में वह गलत निर्णय लेकर अपने साथ ही अपने परिवार, समाज, देश तथा विश्व को भी विनाश की ओर ले जाने का कारण भी बन जाता है। इसलिए प्रत्येक बच्चे को सर्वोत्तम भौतिक शिक्षा के साथ ही साथ उसे एक सभ्य समाज में रहने के लिए सर्वोत्तम सामाजिक शिक्षा तथा एक सुन्दर एवं सुरक्षित समाज के निर्माण के लिए बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लेने के लिए सर्वोत्तम आध्यात्मिक शिक्षा की भी आवश्यकता होती है।

-जे.वी.एन. निकेता

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में हुआ स्वीप जागरूकता कार्यक्रम

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में मतदान प्रणाली से सम्बंधित स्वीप जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। स्वीप जागरूकता भारत सरकार द्वारा चलाया जाने वाला सिस्टे. मेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पा. र्टिसिपेशन कार्यक्रम है जिसमे मतदाताओं की चुनाव प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। कार्यक्रम में झरना गांव के पटवारी काल. ूराम जी एवं महलां गांव के गिरदावर केशरलाल जी खोरनिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भारत सरकार के तहत मतदान प्रणाली से सम्बंधित पारदर्शिता के लिए अविष्कृ त नयी तकनीक के बारे में जानकारी दी गई। महलां गांव के गिरदावर केशरलाल जी खोरनिया ने इस नयी प्रणाली से अवगत कराते हुए बताया कि भारत में मतदान के लिए अब तक 2 तरह की तकनीकों कण्ट्रोल यूनिट एवं बैलेट यूनिट का उपयोग किया जाता था, पर मतदान प्रणाली में और अधिक पारदर्शिता के लिए वीवी पैड नामक एक नयी तकनीक को जोड़ा गया है जिसके तहत मतदाता को ये जानकारी मिल सकेगी कि उसके द्वारा दिया गया उसी सम्बंधित उम्मीदवार या पार्टी को गया है। उन्होंने इस प्रणाली से अवगत करने के लिए विश्वविद्यालय के अध्यापकगण एवं छात्राओं को डेमो देकर इस नयी वोटिंग मशीन की तकनीक को समझाया।

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में ज्योति संघ 2018 के चुनाव संपन्न

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में ज्योति संघ 2018 के प्रतिनिधियों के लिए चुनाव हुए जिनमें सभी संकायों से चयनित प्रतिनिधियों ने अपने मत का प्रयोग करते हुए फैक्ल्टी ऑफ होमियोपैथी साइंस की चतुर्थ वर्ष की छात्रा जे.वी.एन शिवांगी सक्सैना को विश्वविद्यालय की जे.एस.आर बनाया, इसके अलावा जे.वी.एन उर्वशी कुंतल बीएससी बीएड. तृतीय वर्ष – वाईस जे.एस.आर, जे.वी.एन पारिजात सिंगावल बीएससी बीएड. तृतीयवर्ष – नॉमिनी जे.एस.आर, जे.वी.एन हिमानी सिंह राणा एम.टेक प्रथम वर्ष –नॉमिनी वाईस जे.एस.आर और जे.वी.एन अंजलि राज बी..ए. एलएलबी प्रथम वर्ष सेक्रेटरी ज्योति संघ, अपने पद पर विजयी रहीं। विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीया जे.वी. एन. विदुषी गर्ग जी ने जे.एस.आर समेत सभी सदस्यों को अपने अपने पद की शपथ दलवाई।

महिला शिक्षा के क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त भारत का प्रथम, राज्य सरकार द्वारा निजी क्षेत्र में स्थापित ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय के ज्योति संघ चुनावों को लेकर गत कई वर्षो की भांति ज्योति संघ 2018 के चुनाव का छात्राओं में काफी उत्साह देखा गया। छात्राओं के चुनाव से पहले सभी नामांकित छात्राओं ने अपने–अपने मत अपने भाषण के द्वारा स्टूडेंट्स यूनियन के समक्ष जाहिर किये। विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं सलाहकार डॉ. पंकज गर्ग जी ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि ज्योति संघ के चुनाव नेता बनने की होड़ नहीं अपितु ये एक मौका है अपने व्यक्तित्व को निखारने का और साथ ही साथ निस्वार्थ भाव से सेवा करने का। ज्योति संघ 2018 के चुनाव की प्रक्रिया में विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीया जे.वी. एन. विदुषी गर्ग जी, संस्थापक एवं सलाहकार डॉ. पंकज गर्ग जी, रजिस्ट्रार, शिक्षक एवं ज्योति संघ 2017 के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभायी। **-जे.वी.एन.राशी**

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के अन्तर्गत अतिथि व्याख्यान का आयोजन

फैकल्टी ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के अन्तर्गत अतिथि व्याख्यान के मौके पर डायरेक्टर ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के प्रोफेसर डॉ.आर.के.पाटनी ने अतिथि व्याख्यान में आये सभी अथितियो का स्वागत किया । इस मौके पर विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीया माननीया जे.वी.एन. विदुषी गर्ग जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर आयोजन का उद्घघाटन किया।विश्वविद्यालय की छात्राओं ने कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्र गीत के साथ की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में सेवानिवृत जस्टिस उदय चंद (डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन

जज,प्रिंसिपल सेक्रेटरी लोकायुक्त, जयपुर) उपस्थित रहे।

मुख्यअतिथि ने मूट कोर्ट प्रैक्टिसेस एंड लीगल प्रोफेशन विषय पर व्याख्यान दिया। मुख्यअतिथि ने अपने उद्बोधन में मूट कोर्ट की उपयोगिता, मूट कोर्ट में जज और वकीलों की भूमिका, किसी केस की तैयारी करना और सबूतों को पेश करने के बारे में जानकारी दी। **-जे.वी.एन.दिव्या**

Teacher Day

आपदा रक्षक प्रशिक्षण

Sveep Programme

JAYOTI VIDYAPEETH WOMEN'S UNIVERSITY, JAIPUR

©सर्वाधिकार सुरक्षित
स्वत्वाधिकार, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. पंकज गर्ग द्वारा लक्ष्मी ऑफसेट, G–1 मधुवन कॉलोनी टोंक फाटक, जयपुर– 302018 से मुद्रित एवं ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, वेदान्त ज्ञान वैली, ग्राम झरना, महलां जोबनेर लिक रोड जयपुर– अजमेर एक्सप्रेस वे जयपुर– 303122 से प्रकाशित।
घोषणा एवं शर्तें: समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र केवल जयपुर होगा। JAYOTI MUHIM(ज्योति मुहिम) में प्रकाशित लेखों, चित्रों एवं अन्य सामग्री से सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। कॉपीराइट उल्लंघन की स्थिति में केवल संबंधित लेखक का ही दायित्व होगा।